अलीगढ़ में बनेंगे टायर, टेक्सटाइल सहित हेल्थकेयर उत्पाद

इन्वेस्ट यूपी के तहत जिले में 913 करोड़ के निवेश के साथ 10 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

खास खबर

अमर उजाला ब्यूरो

अलीगढ़। बहुत जल्द अलीगढ़ में दवा, डेयरी, टायर, टेक्सटाइल और हेल्थकेयर उत्पाद बनते नजर आएंगे। इन उत्पादों सहित इलेक्ट्रोनिक्स, कृषि, टेक्नोलॉजी, ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग, ऊर्जा, प्रोसेसिंग यूनिट, फार्मा आदि उत्पादों की 56 कंपनियों ने अलीगढ़ में जमीन की मांग की है। इन्होंने 0.25 एकड़ से लेकर 2.5 एकड़ जमीन तक की मांग की है।

इन्वेस्ट यूपी के तहत जिले में 56 नए निवेशक आने वाले हैं। ये निवेशक कुल 913 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे, जिससे 10 हजार लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होने का अनुमान है।

इन निवेशकों को उनकी परियोजनाओं के लिए 48.65 एकड़ जमीन आवंटित की जाएगी। जिला प्रशासन इस जमीन की तलाश में जुट गया है।

56 नए निवेशकों ने उद्यम के लिए जमीन की मांग की, तलाश की जा रही है 48.65 एकड़ जमीन

इन्वेस्ट यूपी के तहत 56 निवेशकों ने जिले में अपनी औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने में रूचि दिखाई है। कुल 48.65 एकड़ जमीन की जरूरत है। कुछ निवेशकों ने शहर के नजदीक जगह की इच्छा जताई। वहां पर इतनी जमीन की उपलब्धता नहीं थी। अब सभी को ऑफर लेटर भेजे जा रहे हैं। जिले में सभी औद्योगिक क्षेत्र और सरकारी योजनाओं में जमीन की उपलब्धता है वह उनको बताई जाएगी, इसके बाद निवेशकों को तय करना है।

- वीरेंद्र कुमार, महाप्रबंधक, उद्योग केंद्र

इस संबंध में इन्वेस्ट यूपी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी किरन आनंद ने उपायुक्त उद्योग को निर्देश दिए हैं। उन्होंने यूपीसीडा और यूपीडा से खाली पड़े औद्योगिक भूखंडों की जानकारी भी मांगी है, ताकि निवेशकों को जल्द से जल्द जमीन उपलब्ध कराई जा सके।

यह भी सुनिश्चित करने को कहा है कि इन निवेशकों को समयबद्ध तरीके से सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएं। इन निवेशकों के लिए ख्यामई सहित सभी औद्योगिक विकास योजनाओं में उपलब्धता के आधार पर भूखंड दिए जाएंगे।

गांव भरतपुर में लगेगा डेयरी प्रोसेसिंग प्लांट

अमर उजाला ब्यूरो

अलीगढ़। जिले के मॉडल गांव भरतपुर में एक करोड़ रुपये से आधुनिक डेयरी प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित किया जाएगा। यहां ग्रामीण महिलाओं को रोजगार मिलेगा। गांव में बनने वाले डेयरी उत्पादों की बिक्री दिल्ली-नोएडा के पांच सितारा होटल और बड़ी-बड़ी दुकानों पर की जाएगी।

विकास खंड टप्पल की भरतपुर ग्राम पंचायत राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित है। भरतपुर जिले का पहला गांव होगा, जहां डेयरी प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित होगी। इस परियोजना के लिए ग्राम पंचायत ने 17.50 लाख रुपये की लागत से 1500 वर्ग मीटर में एक एसएसजी वर्क शेड तैयार किया है, जो इस प्लांट का आधार बनेगा।

टप्पल समृद्धि महिला किसान प्रोड्यूसर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड भरतपुर इस प्रोजेक्ट को संचालित करेगी। इस कंपनी ने 25 महिलाओं का चयन किया है। इन महिलाओं को ट्रांसफॉर्मिंग रूरल इंडिया (टीआरआई) द्वारा सितंबर में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, ताकि वह वह उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद बना सकें।

टप्पल के गांव भरतपुर में तैयार वर्क शेड। *स्रोत : स्वयं*

एफपीओ के जरिये इस डेयरी प्रोसेसिंग प्लांट को संचालित किया जाएगा। इसकी लागत करीब एक करोड़ रुपये आएगी। इसकी लगभग तैयारी पूरी हो गई है। मशीन भी आ चुकी हैं। इससे गांव के दूध विक्रेताओं और छोटे डेयरी संचालकों को भी फायदा पहुंचेगा।

- नीलम देवी, प्रधान, भरतपुर

डेयरी उत्पादन को बढ़ावा देने और महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार कार्य कर रही है। इस प्लांट के स्थापित होने से महिलाओं का आत्मबल बढ़ेगा। जल्द ही यह प्लांट शुरू होगा। **-प्रखर कुमार सिंह, सीडीओ**

■ कई मशीनें स्थापित की जाएंगी

प्लांट में बल्क मिल्क कूलिंग मशीन, कल्ड इनक्यूबेटर, खोआ बनाने की मशीन, मिल्क क्रीम सेपरेटर, वैक्यूम पैकिंग, पनीर प्रेस, चिलर प्लांट और मिल्क बॉयलर जैसी मशीन स्थापित की जाएंगी। इनसे दही, पनीर, खोआ, मक्खन, छाछ, घी और क्रीम आदि उत्पाद तैयार किए जाएंगे।